केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक

भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 279 शुक्रवार 3 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कथा में काली का किरदार निभा रहे नाबालिग की चाकू लगने से मौत

कानपुर (आभा)। कानपुर में बिल्हौर के बंभियापुर गांव में बिना अनुमति हो रही भागवत कथा में मां काली और भूतों के बीच युद्ध के दृश्य के दौरान काली का किरदार निभा रहे एक नाबालिग के हाथों से दूसरे नाबालिग की गर्दन पर चाकू लग गया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने नाबालिग के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक गांव के सुभाष सैनी के घर पर बिना अनुमति रात में भागवत कथा आयोजन चल रहा है। कथा के दौरान भगवान की विविध झांकियों के आयोजन होते हैं। बुधवार देर रात गांव के पांच नाबालिग मां काली और भूतों की झांकी खेल रहे थे। खेल–खेल में काली का किरादार निभा रहे एक नाबालिग के हाथों में चाकू था। उसका चाकू भूत का किरदार कर रहे 11 वर्षीय शिवम सैनी उर्फ शनि कश्यप की गर्दन में कसकर लग गया। शिवम सैनी के गर्दन से खून निकलने लगा। और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। रात में परिजन उसे सीएचसी बिल्हौर लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बाइक से गिरकर महिला की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वाल्टरगज–बभनान मार्ग पर इमिलीया चौराहे के पास बाइक पर बैठकर घर जा रही गीता (38) पत्नी नरायन बाइक से गिरकर घायल हो गई थीं। आसपास के लोगों ने एम्बुलेंस से गीता को सीएचसी गौर पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतका के चार बच्चे हैं। सबसे बड़ी बेटी है, उसकी शादी नहीं हुई है।

चौकी प्रभारी टिनिच सचिन्द्र कुमार ने परिजन पोस्टमार्टम नहीं चाह रहे थे, लिहाजा पंचायतनामा कराकर शव दे दिया गया। मृतका के देवर मनोज के लड़के के मुंडन के बाद होने वाले प्रीतिभोज की घर में तैयारी चल रही थी। वह टिनिच बाजार से सामान खरीदने गई थीं, तभी सड़क हादसे की शिकार हो गईं।

भीषण गर्मी से बेहाल हैं लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिले में लू का प्रकोप थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। कड़ी धूप के बीच तेज रफ्तार से धूलभरी हवाओं ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है। स्कूली बच्चे व कामकाजी लोगों को छोड़कर घरों से बाहर निकलने की लोग हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। स्कूल से छुट्टी होने के बाद पैदल या साइकिल से घर जाने वाले बच्चों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। कई बच्चे व बड़े धूप से बचने के लिए छाते का इस्तेमाल करते हैं तो बाकी टोपी आदि से सिर ढंककर धूप में निकल रहे हैं।

अप्रैल माह की शुरूआत से ही मौसम का मिजाज गर्म होना शुरू हो गया था। अप्रैल में रिकॉर्डतोड़ 42 डिग्री तक पहुंचा अधिकतम पारा मई माह में भी राहत देता नजर नहीं आ रहा है। आलम यह है कि सुबह के आठ बजते–बजते पारा तेजी से बढ़ने लगता है। शाम होने के बाद ही सड़कों पर लोगों की चहल–पहल बढ़ रही है। दिन के वक्त बाजारों में खरीदारों की संख्या काफी कम रहती है। गुरूवार को न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया गया तो अधिकतम पारा 40 डिग्री सेल्सियस पर टिका रहा।

कश्मीर की शक्सगाम घाटी में चीन ने बना डाली सड़क

नई दिल्ली (आभा)। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओके) की शक्सगाम घाटी में चीन की नापाक हरकत सामने आई है। ताजा सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि चीन दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र के करीब पक्की सड़क बना रहा है। दरअसल चीन सियाचिन कॉरिडोर के करीब अवैध रूप से कब्जे वाले कश्मीर में कंक्रीट सड़क का निर्माण कर रहा है। अब इसको लेकर भारत ने बड़ा कदम उठाया है।

भारत ने जमीन पर स्थिति को बदलने के "अवैध" प्रयास के तहत शक्सगाम घाटी में निर्माण गतिविधियों को अंजाम देने को लेकर चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरूवार को कहा कि शक्सगाम घाटी भारत का हिस्सा है और नई दिल्ली ने 1963 के तथाकथित चीन–पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी स्वीकार नहीं किया, जिसके माध्यम से इस्लामाबाद ने "गैरकानूनी" रूप से इस क्षेत्र को बीजिंग को सौंपने का प्रयास किया था।

जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, "हमने लगातार इसके प्रति अपनी अस्वीकृति व्यक्त की है। हमने जमीनी स्तर पर तथ्यों को बदलने के अवैध प्रयासों के खिलाफ चीनी पक्ष के समक्ष अपना विरोध दर्ज कराया है।" उन्होंने कहा, "हम अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।"

शक्सगाम घाटी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह घाटी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का एक हिस्सा थी, लेकिन पाकिस्तान ने इसे 1963 में चीन को सौंप दिया गया था। चीन जो सड़क बना रहा है वह उसके झिंजियांग प्रांत के हाईवे नंबर जी219 से निकलती है और अंदर पहाड़ों में जाकर खत्म हो जाती है। सड़क जहां पर खत्म होती प्रतीत हो रही है वहां से 50 किलोमीटर दूर सियाचिन ग्लेशियर में इंदिरा कोल स्थित है। यह वह इलाका है जहां भारतीय सेना पेट्रोलिंग करती है।

अमेठी से राहुल, रायबरेली से प्रियंका के फैसले पर टिकी हैं निगाहें

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में नामांकन का शुक्रवार 3 मई को आखिरी दिन है। कांग्रेस के हाथ में अमेठी और रायबरेली में कैंडिडेट का नॉमिनेशन कराने के लिए अब बस चार घंटे का समय बचा है क्योंकि नामांकन का समय सुबह 11 बजे से शाम 3 बजे तक ही होता है। राहुल गांधी की अमेठी से ना लड़ने की जिद को तोड़ने में जुटे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को गुरुवार को एक राहत ये मिली है कि दोनों कर्नाटक में प्रचार कर रहे हैं। लेकिन प्रियंका गांधी 1700 किलोमीटर से ज्यादा दूर मध्य प्रदेश के मुरैना और छत्तीसगढ़ के कोरबा में प्रचार कर रही हैं। अमेठी के कांग्रेसी दोबारा राहुल गांधी और स्मृति ईरानी के बीच मुकाबला चाहते हैं जबकि रायबरेली में सोनिया गांधी के राज्यसभा जाने के बाद कार्यकर्ता प्रियंका गांधी की राह तक रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को कहा था कि गुरुवार की शाम तक कांग्रेस अध्यक्ष खरगे दोनों सीट के कैंडिडेट का नाम तय कर देंगे। रमेश ने कहा था कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने खरगे को इस काम के लिए अधिकृत कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी वायनाड नहीं छोड़ना चाहते हैं जो इस समय उनकी मौजूदा संसदीय सीट है। राहुल ने खरगे से कहा है कि वो अगर अमेठी से लड़ते हैं तो जीतने के बाद भी वायनाड के ही सांसद बने रहेंगे। रायबरेली में सोनिया गांधी की जगह पर प्रियंका गांधी के लड़ने की चाहत पार्टी में सबकी है लेकिन सूत्रों का कहना है कि प्रियंका ने अभी चुनाव लड़ने के बदले देश भर में पार्टी का प्रचार करने की बात कह दी है।

जयराम रमेश ने भले कहा था कि खरगे को दोनों सीट पर कैंडिडेट का नाम तय करना है लेकिन वो असल में राहुल और प्रियंका को मनाने का काम है। सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी ने खुद भी दोनों बच्चों को फोन करके कहा है कि अगर वो दोनों नहीं लड़ते हैं तो दोनों सीट भाजपा को थाली में सजाकर देने जैसी बात हो जाएगी।

सबकी नजर राहुल पर टिकी है कि क्या वो स्मृति ईरानी और भाजपा को यह कहने का मौका देंगे कि चुनाव में हार के डर से गांधी परिवार अमेठी से भाग गया। अब तक रायबरेली में कांग्रेस कैंडिडेट के नाम का इंतजार कर रही भाजपा ने उससे पहले दिनेश प्रताप सिंह को टिकट देने का ऐलान कर दिया है। दिनेश प्रताप सिंह 2019 में भी भाजपा की तरफ से सोनिया गांधी से लड़े लेकिन हार गए थे। अब तक सोनिया के खिलाफ लड़े लोगों में दिनेश को सबसे ज्यादा वोट मिला था। दोनों ही सीट पर पांचवें चरण के लोकसभा चुनाव में 20 मई को मतदान है।

इण्डिया गठबंधन प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी ने किया नामांकनः विशाल सभा में किया बदलाव का आवाहन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को समाजवादी पार्टी, इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी पूर्व कैबिनेट मंत्री राम प्रसाद चौधरी ने लोकसभा प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन किया। नामांकन के बाद हजारों की संख्या में समर्थकों के साथ गनेशपुर कस्बे में एक विशाल सभा को सपा और इण्डिया गठबंधन के अनेक नेताओं ने सम्बोधित करते हुये बस्ती से राम प्रसाद चौधरी की जीत सुनिश्चित करने का आवाहन किया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग गर्मी के बावजूद जमे रहे।

प्रत्याशी पूर्व कैबिनेट मंत्री राम प्रसाद चौधरी ने सभा में उपस्थित लोगों से भावुक अपील करते हुये कहा कि यह चुनाव दो विचारधाराओं की लड़ाई है। संविधान और लोकतंत्र बचाने, गरीबों, मजलूमों, अल्पसंख्यकों, बेरोजगार युवाओं सहित सभी वर्गो को समान अवसर देने के लिये इण्डिया गठबंधन की जीत जरूरी है। कहा कि इण्डिया गठबंधन की सरकार बनने पर गारण्टी के साथ मतदाताओं के साथ किये गये वायदे पूरे किये जायेंगे। कहा कि एक ओर तो सत्ता का अहंकार है तो दूसरी ओर जनता की उम्मीदें हैं। अहंकार को तोड़ना होगा जिससे आये दिन हिन्दु–मुसलमान के नाम पर नफरत फैलाने वालों के मंसूबे पूरे न होने पाये।

–सभा में हजारों की संख्या में उमड़े लोग, कई नेता सपा में शामिल

–लोकतंत्र, संविधान की रक्षा के लिये करें मतदान– राम प्रसाद

–सर्व समाज सपा के साथ– महेन्द्रनाथ यादव

विशाल सभा को सपा जिलाध्यक्ष और सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि सर्व समाज सपा के साथ है। विधायक राजेन्द्र चौधरी, विन्द्र चौधरी 'अतुल' पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, त्रयम्बक पाठक, प्रवीण पाठक, चन्द्रभूषण मिश्र, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजाराम यादव, जयराम पाण्डेय, सुबोध यादव, संतकबीर नगर से सपा प्रत्याशी पप्पू निषाद, कौशलेन्द्र सिंह, धीरसेन निषाद, विजय विक्रम आर्य, चन्द्र प्रकाश चौधरी, श्रीपति सिंह, राज मोहन सिंह राजू, गुलाब चन्द्र सोनकर, बृजेश मिश्र, गीता भारती, इन्द्रावती शुक्ल, पूर्व प्रमुख गोपाल सिंह, रविन्द्र यादव, कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, बसन्त चौधरी, लालजीत पहलवान, माकपा नेता का. के.के. तिवारी, भाकपा के का. अशर्फीलाल, का. रामलौट, डा. राम सुभाष वर्मा, आम आदमी पार्टी अध्यक्ष सुभाष वर्मा, धर्मेन्द्र चौहान के साथ ही इण्डिया गठबंधन के अनेक नेताओं ने सम्बोधित किया। कहा कि बस्ती लोकसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में जो मतदाता स्वतः बदलाव के लिये एकत्र हुये हैं इससे स्पष्ट है कि बस्ती में बदलाव की लहर चल रही है। वक्ताओं ने एक स्वर से कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिये इस पर खुलकर बड़ी संख्या में मतदान करें। नेताओं के निशाने पर भाजपा की जन विरोधी नीतियां और साम्प्रदायिकता रही। संचालन करते हुये जावेद पिण्डारी ने जमीनी मुद्दे उठाये।

सभा में नगर पंचायत नगर के पूर्व प्रत्याशी मनोज यादव, बसपा नेता डा. राम प्रकाश सुमन समर्थकों के साथ सपा की सदस्यता लिया। विशाल सभा में मुख्य रूप से सुरेन्द्र सिंह छोटे, अमरेन्द्र पाण्डेय 'शिबलू' विपिन त्रिपाठी, रहमान सिद्दीकी, अखिलेश यादव, अजय यादव, समीर चौधरी, अरविन्द सोनकर, रविन्द्र यादव, राम सिंह यादव, अजीत सिंह, हरेश्याम, आर.डी. गोस्वामी, मो. स्वालेह, राजेन्द्र चौरसिया, राजेन्द्र चौधरी, रन बहादुर यादव, गुलाम गौस, अरविन्द यादव, राघवेन्द्र सिंह, हरीश गौतम, देवेन्द्र श्रीवास्तव, जमील अहमद, अजीत सिंह, धनुषधारी गुप्ता, मो. स्वालेह, रफीक खान, के साथ ही सपा और इण्डिया गठबंधन के अनेक नेता, कार्यकर्ता और भीषण गर्मी में हजारों की संख्या में नागरिक, महिलायें शामिल रहीं।

कोविड सर्टिफिकेट से हटायी गई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर

नई दिल्ली (आभा)। भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड–19 वैक्सीन के सर्टिफिकेट में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने कोविड सर्टिफिकेट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर हटा दी है। इससे पहले उनकी तस्वीर को प्रमुखता से जगह दी गई थी और लिखा गया था– श्साथ मिलकर, भारत कोरोना को हरा देगा।श एक तरह से सरकार ने टीकाकरण के श्रेय पीएम मोदी को दिया था। कुछ लोगों का दावा है कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका द्वारा यूके की अदालत में इसके साइड इफेक्ट्स की बात कबूल करने के बाद यह कदम उठाया गया है।

कोविशील्ड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के तौर पर थ्रोम्बोसिस के साथ थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) की चर्चा के बाद लोग कोविन ऐप पर अपने टीकाकरण का स्टेटस चेक कर रहे हैं। इस दौरान उन्हें वहां पीएम मोदी की तस्वीर देखने को नहीं मिली। अंग्रेजी अखबार श्द हिंदूश ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है।

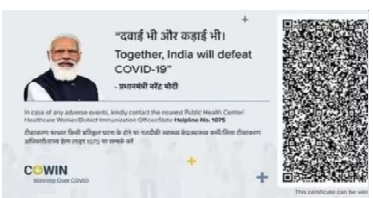

माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर लोग इसको लेकर तरह–तरह की चर्चा कर रहे हैं। एक्स संदीप मनुधाने ने कहा, 'मोदी जी अब कोविड वैक्सीन सर्टिफिकेट पर नजर नहीं आएंगे। बस जांचने के लिए डाउनलोड किया है। उनकी तस्वीर चली गई है।' इरफान अली ने खुद को कांग्रेस का पदाधिकारी बताते हुए लिखा, "हां, मैंने अभी चेक किया और पीएम मोदी की तस्वीर गायब हो गई है। उनकी तस्वीर के बजाय केवल क्यूआर कोड है।"

इस मामले पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का बयान सामने आया है। विभाग के अधिकारियों ने 'दिप्रिंट' को बताया कि मौजूदा लोकसभा चुनावों को लेकर जारी आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर वैक्सीन सर्टिफिकेट से हटा दिया गया है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब पीएम मोदी की तस्वीर कोविड टीकाकरण सर्टिफिकेट से हटाई गई हो।

वैक्सीन सर्टिफिकेट पर पीएम मोदी की तस्वीर छापने को लेकर 2021 में विवाद छिड़ गया था। यह मामला केरल हाईकोर्ट तक पहुंचा था। इसके विरोध में कहा गया था कि अन्य देशों में पीएम की तस्वीर नहीं छपी है। इसके जवाब में न्यायमूर्ति पीवी कुन्हिकृष्णन ने कहा था, 'उन्हें अपने प्रधानमंत्रियों पर गर्व नहीं हो सकता है, हमें अपने प्रधानमंत्री पर गर्व है।'

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केंद्र की भाजपा सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया है। कांग्रेस ने मांग की है कि जिन लोगों की कोरोना वायरस के खिलाफ कोविशील्ड वैक्सीन लेने के बाद दिल का दौरा पड़ा या किसी दूसरे कारण से मौत हो गई, उनके परिजनों को इसकी जांच करानी चाहिए। उन्हें मुआवजा दिया जाए।

कैसरगंज से बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह और रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह भाजपा प्रत्याशी घोषित

नई दिल्ली (आभा)। भाजपा ने गुरुवार को लोकसभा प्रत्याशियों की एक और लिस्ट जारी कर दी। कांग्रेस से पहले ही भाजपा ने रायबरेली से भी प्रत्याशी का ऐलान कर दिया है। योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को टिकट दिया गया है। दिनेश प्रताप सिंह पिछली बार भी बीजेपी से उतरे थे। वहीं कैसरगंज से बृजभूषण शरण सिंह का टिकट काटकर उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दिया गया है। दिनेश प्रताप सिंह पिछली बार भी रायबरेली से सोनिया गांधी के खिलाफ भाजपा से मैदान में थे। दोनों सीटों पर शुक्रवार को नामांकन का अंतिम दिन है।

भाजपा अभी तक कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित होने का रायबरेली में इंतजार कर रही थी। अमित शाह ने यह भी कहा था कि वहां के लिए तीन नाम तय हो चुके हैं। कांग्रेस की तरफ से नाम आते ही भाजपा अपने नाम घोषित कर देगी। कांग्रेस की तरफ से गुरुवार शाम तक प्रत्याशियों के ऐलान की खबर आते ही भाजपा की तरफ से नाम घोषित कर दिए गए।

बृजभूषण शरण सिंह के टिकट को लेकर पहली लिस्ट जारी होने के बाद से ही चर्चा हो रही थी। महिला पहलवानों के शोषण के आरोपों में फंसे बृजभूषण शरण सिंह को लेकर भाजपा में काफी असमंजस था। यही कारण है कि नामांकन की तारीख खत्म होने से एक दिन पहले उनकी सीट पर फैसला हो सका है। हालांकि परिवार में ही टिकट रहने से यह भी साफ हो गया है कि उनका दबदबा बरकरार है।

दिनेश प्रताप ने टिकट मिलते ही राहुल गांधी और प्रियंका पर हमला किया। कहा कि प्रियंका गांधी राजनीति की एबीसीडी नहीं जानती हैं, वह आती भी हैं तो मेरे लिए वह कोई चीज नहीं हैं। प्रियंका आएंगी तब भी जनता मुझे चुनेगी। कांग्रेस वालों ने जिस तरह से उन्हें ठगा है, उसका बदला जनता जरूर लेगी। अभी तक कांग्रेस का टिकट नहीं घोषित करना भी उनका डर दिखा रहा है।

जमीनी विवाद में सगे भाइयों की हत्या, दोनों की पत्नियों समेत तीन गंभीर

जौनपुर (आभा)। जिले में गुरुवार की सुबह सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया है। जमीन के विवाद में दो सगे भाइयों की लाठी–डंडे और ईंट से मारकर हत्या कर दी गई है। उन्हें बचाने आईं दोनों की पत्नियों समेत तीन लोगों को भी मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया है। घटना बरसठी थाना क्षेत्र के पल्टूपुर गांव में हुई है। कई साल से जमीन विवाद को लेकर पड़ोसियों में विवाद चल रहा था। वारदात की सूचना पर पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा समेत कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंचीं। सुरक्षा को देखते हुए गांव में पुलिस तैनात कर दी गई है।

बताया जाता है कि गांव के 50 वर्षीय दशरथ ऊर्फ मुन्ना यादव को 2012 में कुछ जमीन पट्टा हुई थी। आरोप है कि पट्टा के बाद से ही केशनाथ यादव कब्जा नहीं लेने दे रहे थे। दोनों के बीच जमीन के विवाद में रंजिश चली आ रही थी। इसी बीच दशरथ हाईकोर्ट चले गए। कोर्ट ने मड़ियाहूं तहसील प्रशासन को निर्देश दिया कि पीड़ित को कब्जा दिलाया जाय। एक सप्ताह पहले आए आदेश को संज्ञान में लेकर तहसील प्रशासन ने पीड़ित दशरथ को कब्जा दिला दिया। यह बात केशनाथ को खराब लगी थी। बुधवार की रात अपने लोगों के साथ मिलकर केशनाथ ने दशरथ का मड़हा उखाड़कर बगल से गुजरने वाले नहर में फेंक दिया। गुरुवार की सुबह दशरथ को जब पता चला तो वह अपने परिवार के लोगों के साथ केशनाथ से पूछने चले गए। मौके पर बात बढ़ गई और केशनाथ ने अपने लोगों के साथ दशरथ के परिवार पर धारदार हथियार और लाठी–डंडे से हमला कर दिया। ईंट पत्थर से भी हमला किया गया। दशरथ यादव और उनके सगे भाई 42 वर्षीय सुभाष यादव की हमलावरों ने मार–मारकर बेसुध कर दिया। दशरथ के बड़े भाई भरत लाल 55 वर्ष, भरत की पत्नी 48 वर्षीय अनारा देवी व दशरथ की 44 वर्षीय पत्नी कबूतरा देवी को भी पीटकर अधमरा कर दिया गया। एक साथ दो भाइयों की हत्या से गांव में कोहराम मच गया।

लोगों ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। दशरथ व सुभाष को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बाकी लोगों का उपचार चल रहा है। जिला अस्पताल में सीओ मड़ियाहूं भी पहुंच गए थे। उधर हमलावर गांव छोड़कर फरार हो गए। एसओ अरविन्द सिंह ने बताया कि पट्टे के जमीन पर कब्जा को लेकर विवाद था। दो सगे भाइयों की मौत मारपीट के दौरान हुई है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 मई 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

कोरोना की वैक्सीन पर उठते सवाल

हाल ही में कोरोना वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने स्वीकारा कि उसकी कोविशील्ड वैक्सीन के रेयर साइड इफेक्ट हो सकते हैं। जिसको लेकर देश में नए सिरे से बहस शुरू हुई। विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि घबराएं नहीं, टीके से जुड़ा खतरा दस लाख में से एक व्यक्ति को होता है। वैसे देश के चुनावी माहौल के बीच आरोप–प्रत्यारोप की राजनीति के कोलाहल में यह तय कर पाना कठिन हो जाता है कि हवा में तैर रही खबर की तार्किकता क्या है। यह भी कि यह खबर वास्तविक है या राजनीतिक लक्ष्यों के लिये गढ़ी गई है। वहीं दूसरी ओर व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के चलते भारत के खिलाफ जो वैश्विक गुटबंदी चल रही है, कहीं आरोप इस कड़ी का हिस्सा तो नहीं है। वैसे विशेषज्ञ कह रहे हैं कि कोविशील्ड वैक्सीन लेने के चार से बयालीस दिनों के भीतर टीटीएस प्रभाव हो सकता है, जो ब्लड क्लॉट बना सकता है। जिससे कालांतर प्लेटलेट्स की कमी शरीर में हो सकती है। दरअसल, वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटेन में एक अदालती सुनवाई के दौरान वैक्सीन के दुर्लभ प्रभावों की बात को माना था। कंपनी के विशेषज्ञों का कहना है कि टीटीएस दिमाग, फेफड़ों, आंत की खून की नली आदि में तो पाया गया लेकिन किसी को हार्ट अटैक की समस्या नहीं हुई। साथ ही यह भी कि कोविड संक्रमण के कारण भी ब्लड क्लॉट के मामले सामने आए हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि वैक्सीन से इम्यून सिस्टम में टी व बी सेल गतिशील होने से इम्यून प्रतिक्रिया बढ़ती है, जिसके बाद खून की नली में सूजन से ब्लड क्लॉट बनता है। जिसमें ज्यादा प्लेटलेट्स इस्तेमाल होने लगते हैं। जो कि टीटीएस की स्थिति होती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि वैक्सीन ने महामारी की घातकता को नब्बे प्रतिशत तक घटाकर रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाई। वहीं वैक्सीन के साइड इफेक्ट छह माह के भीतर सामने आ जाते हैं, इसके उपयोग को दो साल से अधिक का समय हो चुका है।

उल्लेखनीय है सरकार ने कोरोना संकट के दौरान कोविशील्ड लेने हेतु व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया था। अब जब इसके दुष्प्रभावों को लेकर संशय पैदा हुआ है तो उसे अपने संसाधनों का इस्तेमाल करके लोगों की शंकाओं का निवारण भी करना चाहिए। सेहत से जुड़े किसी भी मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। यदि किसी तरह असुरक्षा की भावना बढ़ती है तो सरकार को तुरंत दूर करना चाहिए। नागरिकों की शंकाओं का तुरंत ही समाधान किया जाना चाहिए। पब्लिक डोमेन में कंपनी द्वारा चुनावी बांड खरीदे जाने को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। जिसके चलते लोगों के मन में कई तरह के सवाल उपजे हैं, जिनका निराकरण भी सरकार का प्राथमिक दायित्व है। हमें यह भी स्वीकारना चाहिए कि संकटकाल में इस वैक्सीन की तुरंत उपलब्धता से देश की बड़ी आबादी को सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जा सका। बेहद कम समय में कोरोना से लड़ने के लिये उपलब्ध कराई गई वैक्सीन के साइड इफेक्ट से इनकार भी नहीं किया जा सकता। इस बात की आशंका भी है कि टीएसएस प्रभाव कोरोना संक्रमण के बाद भी सामने आ सकते हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि लॉकडाउन के कारण लाइफ स्टाइल बिगड़ने से लोगों की गतिशीलता में कमी, मानसिक तनाव वृद्धि से मोटापे व मधुमेह के चलते भी हृदयाघात के मामले बढ़े हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ हृदयरोग विशेषज्ञों का मानना है कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनी को पहले ही बताना चाहिए कि वैक्सीन से टीटीएस जैसे साइड इफेक्ट हो सकते हैं। जानकारी होने पर लोग अपनी प्राथमिकता की वैक्सीन ले सकते थे। वहीं यह भी तार्किक है कि कोई दवा अथवा वैक्सीन यदि असर करती है तो उसके साइड इफेक्ट भी निश्चित रूप से होते हैं। कुछ विशेषज्ञ वैक्सीन के दुष्प्रभावों के आरोपों के मूल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रही वैक्सीन राजनीति को भी बताते हैं। कुछ अमेरिकी विशेषज्ञ वैक्सीन के दुष्प्रभावों को दूर करने के लिये हफ्ते में दो दिन सिर्फ एक बार खाना खाने की सलाह देते हैं, जिससे ब्लड क्लॉटिंग रोकने में मदद मिल सकती है।

स्कूलों को उड़ाने की आतंकी धमकी

– कमलेश पाण्डेय–

जब पूरा देश मजदूर दिवस मनाने की तैयारियों में जुटा हुआ था, तब दिल्ली एनसीआर के छात्र–अभिभावक महज इस बात पर दहशतजदा हो गए कि एक धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद स्कूलों में आपातकाल लागू कर दिया गया और छात्रों को वापस घर ले जाने के लिए अभिभावकों में अफरातफरी मच गई। हालांकि, दिल्ली–यूपी पुलिस ने सूझ–बूझ से काम किया और फौरन 200 से ज्यादा प्रतिष्ठित स्कूलों की तलाशी ली गई। लेकिन इस दौरान जो महसूस किया गया, वह हमारे अभिजात्य वर्गीय स्कूलों और सुशिक्षित अभिभावकों की मानसिकता पर कई सवाल खड़ा करते हैं।

पहला, क्या दिल्ली–एनसीआर के हाई पेड स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था इतनी लचर है कि वहां बम प्लांट किया जा सकता है? यदि ऐसा है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है! स्कूल प्रबंधन को स्थानीय पुलिस से तालमेल बिठाकर अपनी सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसे स्कूली आपातकाल की नौबत नहीं आए और छात्रों व उनके अभिभावकों को उन स्थितियों का सामना नहीं करना पड़े, जैसा कि मई दिवस के दिन देखा व महसूस किया गया। क्योंकि ऐसी अप्रत्याशित सूचनाओं से, घटनाओं से बाल मन पर जो बुरा प्रभाव पड़ता है, उससे होने वाली क्षति कल्पना से परे है और मनोवैज्ञानिक ही इसकी सटीक व्याख्या कर सकते हैं।

वहीं, अभिजात्य अभिभावकों का भी यह कर्तव्य है कि पीटीएम में इस विषय को उठाएं और भविष्य में अपने बच्चों की सुरक्षा की गारंटी लें, भले ही इसके लिए उन्हें अतिरिक्त फीस क्यों नहीं अदा करनी पड़े। क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली से पहले बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता में बड़ी संख्या में स्कूलों को फर्जी धमकियां भेजी जा चुकी हैं। गत वर्ष 1 दिसंबर 2023 को बेंगलुरु के 48 स्कूलों को बम होने की सूचना दी गई थी। इसी वर्ष फरवरी 2024 में चेन्नई के 13 स्कूलों को और अप्रैल 2024 में कोलकाता के स्कूलों को इस तरह की मेल भेजी गई थी। ज्यादातर मामलों में यही पता चला कि मेल विदेश से भेजे गए थे। जाहिर है कि इसके पीछे कोई संगठित गैंग काम कर रहा है, जिसका इरादा बाल मनोमस्तिष्क को प्रभावित करना है, जो पूरी तरह से गलत है।

दूसरा, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने इस पूरे प्रकरण पर दिल्ली के पुलिस कमिश्नर से बातकर दिल्ली–एनसीआर के स्कूलों में बम थ्रेट्स यानी बम की धमकी पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जो सही दिशा में उठाया हुआ एक जरुरी कदम है। इससे छात्रों–अभिभावकों में सुरक्षा का भाव मजबूत होगा। इतना ही नहीं, उपराज्यपाल सक्सेना ने दिल्ली पुलिस को स्कूल परिसर में गहन तलाशी लेने, दोषियों की पहचान करने और कोई चूक न हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, जो बहुत बड़ी बात है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय दिल्ली से 13, नई दिल्ली से 6, पूर्वी दिल्ली के 24, उत्तरपूर्वी दिल्ली से 2, दक्षिणी दिल्ली के 18, दक्षिण पूर्वी दिल्ली से 10, दक्षिण–पश्चिम दिल्ली से 20, पश्चिमी दिल्ली के 21 उत्तरपश्चिमी दिल्ली से 29, उत्तरी दिल्ली से 3, बाहरी उत्तरी दिल्ली से 4, शहादरा में 22, रोहिणी से 10, द्वारिका से 24, बाहरी दिल्ली से 16 समेत कुल 222 स्कूलों को धमकी वाला ईमेल मिला। इससे स्पष्ट है कि साजिश करने वाला किसी बड़े गेमप्लान का हिस्सा है, जिसका पर्दाफाश करना बहुत जरूरी है।

तीसरा, स्कूली आपातकाल प्रकरण पर दिल्ली पुलिस की जितनी तारीफ की जाए, वह कम है। क्योंकि एक साथ दिल्ली के 100 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की कॉल से जब हड़कंप मच गया, तब दिल्ली पुलिस ने एक साथ दिल्ली के सभी स्कूलों में बम स्क्वाड, डॉग स्क्वाड, स्निफर डॉग,फायर ब्रिगेड और अपनी विशेष टीमें भेज कर अपनी ततपरता का परिचय दिया। आलम यह रहा कि दिल्ली के बड़े बड़े अधिकारी यहाँ तक कि खुद्द दिल्ली के एलजी भी सड़कों पर उतर कर मुआयना कर रहे थे। यही वजह है कि सभी स्कूलों की कुछ ही घंटे में चेकिंग संभव हो पाई और बच्चे तथा टीचर से लेकर सभी स्कूलकर्मियों को सुरक्षित घर पहुँचाया जा सका। इससे साफ है कि दिल्ली पुलिस किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निबटने में पूरी तरह सक्षम है। यह हम सभी के लिए सुकून का विषय होना चाहिए।

चौथा, जिस तरह से दिल्ली, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के करीब 200 से ज्यादा स्कूलों में बुधवार को धमकी भरा ई मेल भेजकर यह कहा गया कि इन स्कूलों में बम प्लांट किया गया है, किसी गहरी साजिश का नतीजा है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि देशद्रोही ताकतें हमारे नौनिहालों के मन में दहशत पैदा करने की कोशिश कर हैं, या फिर कहीं पर निगाहें, कहीं पर निशाना साधने की जुर्रत कर रहे हों। यही वजह है कि स्कूलों को मिले ई–मेल की सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस समेत तमाम एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। उम्मीद है कि इसके शीघ्र ही सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, दिल्ली–एनसीआर के स्कूलों में बम वाला ईमेल भेजने के लिए रूस के वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (VPN) का इस्तेमाल किया गया है। पुलिस अफसरों ने बताया कि इंटरनेट तो रूसी है, लेकिन इसका इस्तेमाल दुनिया के किसी भी कोने से किया जा सकता है। इसलिए जिस डिवाइस से इसे भेजा गया है, उसके आईपी एड्रेस का भी पता लगाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को पूरे मामले की जांच सौंपी गई है। धमकी वाला ईमेल `अंतपपउ/उंपस.तन की आईडी से भेजा गया है। सवारीइम एक अरबी शब्द है, जिसका मतलब तलवारें टकराना है। इसे इस्लामिक स्टेट ने 2014 से इस्तेमाल करना शुरू किया था। धमकी भरा ईमेल भेजने के लिए प्रॉक्सी एड्रेस का प्रयोग हुआ।

पांचवां, बुद्धवार को जिस अफरातफरी में माता–पिता– रिश्तेदार अपने–अपने बच्चों को स्कूल से लेने के लिए पहुंचे, उसकी वजह से दिल्ली की सड़कों पर जाम जैसी स्थिति पैदा हो गई है। हालांकि तब तक जिन स्कूलों की जांच की गई, वहां कुछ भी संदिग्ध जैसा नहीं मिला। इस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साफ कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह फर्जी कॉल है। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां प्रोटोकॉल के मुताबिक जरूरी कदम उठा रही हैं।

छठा, जिस तरह से कई बड़े स्कूलों को धमकी भरा ई–मेल भेजा गया है, उसके मायने को समझने और पड़ताल करने की दरकार है। क्योंकि अधिकारियों ने बताया कि मयूर विहार इलाके में स्थित मदर मैरी स्कूल, द्वारका स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल, चाणक्यपुरी के संस्कृति स्कूल, वसंत कुंज के दिल्ली पब्लिक स्कूल, साकेत स्थित एमिटी स्कूल और नोएडा सेक्टर 30 में दिल्ली पब्लिक स्कूल आदि को ईमेल के जरिये परिसर में बम रखे होने की धमकी दी गई, उसका स्पष्ट मकसद है कि अर्बन नक्सली या आतंकी जैसे तत्व हमारे देश के अभिजात्य वर्ग के दिलोदिमाग में वही दहशत का भाव कायम रखना चाहते हैं, जो 2014 से पहले इस देश में व्याप्त रही है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि 2024 के आमचुनाव में नरेंद्र मोदी सरकार की विदाई के कथित आसार से देशद्रोही तत्व फिर से सिर उठाने शुरू कर दिए हों और इस रूप में उन्होंने अपना नापाक पूर्वाभ्यास किया हो। यदि ऐसा है तो देशवासियों को समझबूझकर मतदान करना चाहिए, क्योंकि अभी 2 चरण ही मतदान के हुए हैं और 5 चरण अभी बाकी हैं!

सातवां, दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक, सभी विद्यालयों को खाली करा लिया गया और स्थानीय पुलिस को ईमेल के बारे में जानकारी दे दी गई। जिसके बाद बम का पता लगाने वाली टीम, बम निरोधक दस्ता और दिल्ली दमकल सेवा के अधिकारी तुरंत दिल्ली के विद्यालयों में पहुंच गए और तलाशी अभियान चलाए। उधर, स्कूलों में बम होने की सूचना मिलने के बाद दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया कि दिल्ली के कई स्कूलों में बम होने की धमकी देने का मामला सामने आया है, जिसके बाद सम्बन्धित स्कूलों को फिलहाल खाली करा दिया गया है। पुलिस फिलहाल स्कूल के अंदर जांच कर रही है। अभी तक जिन स्कूलों की जांच हो चुकी है, वहां से कुछ भी संदेहास्पद नहीं मिला है। हम अभिभावकों से निवेदन करते हैं वो घबराएं नहीं। वहीं, दिल्ली पुलिस ने भी कहा कि, 'यह एक शरारत है, दहशत फैलाने के लिए इतने बड़े पैमाने पर सभी स्कूलों को एक मेल भेजा गया है। साइबर सेल यूनिट भी ईमेल और आईपी एड्रेस का पता लगाने की कोशिश कर रही है।' गौरतलब है कि फरवरी में, आर के पुरम में दिल्ली पब्लिक स्कूल में इसी तरह की बम की धमकी मिली थी, जो बाद में अफवाह निकली थी।

आठवां, डीपीएस समेत विभिन्न स्कूलों ने अपनी ततपरता का परिचय देते हुए परिजनों को मेल भेजा, जिसमें साफ कहा गया कि, 'आपको सूचित किया जाता है कि स्कूल को एक ईमेल प्राप्त हुआ है जिससे छात्रों की सुरक्षा को खतरा है। एहतियात के तौर पर हम छात्रों को तुरंत घर वापस भेज रहे हैं।' वहीं, नोएडा पुलिस ने कहा कि शहर स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में कक्षाएं निलंबित कर दी गयीं और पुलिस बल तैनात किया गया। सूचना पर तुरंत संज्ञान लेते हुए पुलिस बल स्कूल के आसपास तलाशी अभियान चला रहा है। अन्य जरूरी उपाय भी किए जा रहे हैं। वहीं, एक अधिकारी ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि और भी विद्यालयों को इस तरह का धमकी भरा ईमेल मिला होगा और संदेह है कि इन सबके पीछे एक ही व्यक्ति का हाथ है। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ समेत सुरक्षा एजेंसियां ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं।

नौवां, दिल्ली एनसीआर के कई स्कूलों में भी इसी तरह बम होने के ईमेल मिले हैं। मदर मेरी स्कूल में बच्चों की परीक्षा चल रही थी लेकिन बम मिलने की जानकारी के बाद परीक्षा को बीच में ही रुकवा दिया गया। स्कूल ने आपातकाल घोषित करते हुए सभी बच्चों को तुरंत वापस घर भेज दिया। इसके बाद अभिभावकों में भी दहशत का माहौल है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि कई स्कूलों को इस तरह का मेल आया है, जिसमें कहा गया कि स्कूल परिसर में बम है। हालांकि, अभी तक किसी भी स्कूल में कुछ संदिग्ध नहीं मिला है और पुलिस सभी जगहों पर जांच कर चुकी है।

दसवां, दिल्ली के शिक्षा निदेशालय ने ठीक ही निर्देश दिया है कि सभी स्कूल प्रमुख आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त होने वाले संदेशों को समय पर जांचेंगे। यदि कुछ अवांछित दिखता है तो उसे तुरंत सम्बन्धित जिले/ क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक और दिल्ली पुलिस को तुरन्त सूचित करेंगे। बच्चों की सुरक्षा को लेकर समय रहते उचित कदम उठाएं। स्कूल कानूनी प्राधिकरण को सूचना देंगे। क्योंकि कुछ सरकारी स्कूलों ने भी इस धमकी भरे मेल के मिलने की कॉल पुलिस को की है। वहीं, दिल्ली सरकार की शिक्षा मंत्री आतिशी ने ठीक ही कहा है कि स्कूलों में बम की सूचना को लेकर शुरुआती जांच में कुछ नहीं मिला, लेकिन यह शर्मनाक है। उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस मामले को गम्भीरता से लेते हुए जांच करेगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करेगी।

सत्ता केन्द्रित राजनीति और अतृप्त आत्माएं

–विश्वनाथ सचदेव–

पहले टिकट के लिए और फिर चुनाव जीतने के लिए भटकते उम्मीदवारों की राजनीति के बारे में तो अक्सर सुनते रहे हैं, पर अब देश की राजनीति में भटकती आत्माओं ने भी प्रवेश कर लिया है। यह खोज करने का श्रेय भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को जाता है। पुणे की एक चुनावी सभा में प्रधानमंत्री ने श्रोताओं को बताया कि यह भटकती आत्माएं वे हैं जिनकी इच्छाएं पूरी नहीं होती तो वे दूसरों के काम खराब करने लगती हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसी किसी आत्मा का नाम तो नहीं लिया, पर यह समझना किसी के लिए भी मुश्किल नहीं था कि उनका निशाना किस पर है। बिना नाम लिये ही प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया था कि पैंतालीस साल पहले महाराष्ट्र में कौन–सी आत्मा ने इस तमाशे की शुरुआत की थी। पैंतालीस साल पहले महाराष्ट्र के तब के युवा नेता शरद पवार ने राज्य की कांग्रेस सरकार में विद्रोह कराया था और वे राज्य में सबसे युवा मुख्यमंत्री बन गये थे। तब से लेकर आज तक शरद पवार कई पार्टियां बना–बिगाड़ चुके हैं। इस दौरान यह बात भी कई बार सामने आई कि पवार स्वयं प्रधानमंत्री बनने का सपना देखते रहे थे। उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो पायी, और अब इसकी कोई संभावना भी नहीं दिख रही। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी बात पर निशाना साधते हुए हमारी राजनीति की अतृप्त आत्माओं के भटकने वाली बात कही है।

प्रधानमंत्री के निशाने पर भले ही शरद पवार रहे हों, पर हमारी आज की राजनीति की यह एक कड़वी सच्चाई है कि 'अतृप्त आत्माएं' लगातार भटकती फिर रही हैं। जिस तरह से, और जिस गति से आज यह भटकाव दिख रहा है, वह साफ–सुथरी और सकारात्मक राजनीति की अपेक्षा करने वालों के लिए आश्चर्य और पीड़ा का विषय होना चाहिए। दल–बदल हमारी राजनीति का एक स्थाई मुद्दा बन चुका है। सच बात तो यह है कि अब यह एक ऐसी बीमारी बन चुका है जिसका शिकार हर राजनीतिक दल हो रहा है। था कोई जमाना जब अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए दल बदल करने वाले को घटिया राजनीति का उदाहरण माना जाता था, उसे घटिया नजर से देखा जाता था। बहुत ज्यादा उदाहरण नहीं दिखते थे इस बात के। पर अब ऐसी कोई बात नहीं रही। अब न दल बदलने वाले को शर्म आती है और न ही किसी राजनीतिक दल को इस बात की कोई चिंता है कि उस पर घटिया राजनीति करने का आरोप लगता है। हमारी राजनीति की इन भटकती आत्माओं का ताजा उदाहरण सूरत और इंदौर में देखने को मिला है। सूरत में कांग्रेस के एक प्रत्याशी पर जान–बूझकर अपना नामांकन पत्र रद्द करवाने का आरोप लगा है और इंदौर में ऐसे ही एक प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस ले लिया है! दोनों ही प्रत्याशी, सुना है, सत्तारूढ़ दल भाजपा का दामन थाम कर अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित महसूस कर रहे हैं!

सच तो यह है कि भटकती आत्माओं को अपने दामन की सुरक्षा का अहसास देने वाले दल को भी अपने कृत्य पर कोई शर्म नहीं आती। हैरानी तो इस बात पर भी होती है कि दस साल तक पूर्ण बहुमत की सरकार चलाने और 'अबकी बार चार सौ पार' का नारा लगाने वाली भारतीय जनता पार्टी को ऐसी अतृप्त आत्माओं की जरूरत महसूस हो रही है! स्पष्ट है, हमारी राजनीति आज सत्ताकामी बनकर रह गयी है। सेवा के लिए राजनीति अब सिर्फ एक जुमला है। आये दिन हमारे राजनेता नए–नए जुमले उछाल रहे हैं। राजनीतिक दल लंबे–चौड़े घोषणापत्र जारी कर रहे हैं, नए–नए नाम देकर इन घोषणापत्रों को भरोसेमंद बनाने के दावे कर रहे हैं। हैरानी की बात तो यह भी है कि जहां तक दस साल तक राज करने के बाद भी सत्तारूढ़ दल अपने किये काम की दुहाई देने की बजाय प्रतिपक्षी की कथित कमियों के नाम पर वोट मांग रहा है, वहीं प्रतिपक्ष कोई वैकल्पिक कार्यक्रम नहीं दे रहा। कुल मिलाकर हमारा विपक्ष सत्तारूढ़ दल के आरोपों के उत्तर देने, या फिर स्वयं को बेहतर कहने तक ही सीमित लग रहा है। दोनों ही पक्ष यह तो कहते हैं कि वे जनता के हित की राजनीति में विश्वास करते हैं, पर, दुर्भाग्य से, जनता को यह विश्वास दिलाने में असफल सिद्ध हो रहे हैं कि सत्ता पाने के अलावा भी उनका कोई लक्ष्य है।

भटकती आत्माओं जैसे जुमले उछाल कर तालियां तो बटोरी जा सकती हैं, इन आत्माओं की तृप्ति के लिए आश्वासन भी दिये जा सकते हैं, लेकिन जनता के हितों को साधने वाली राजनीति का दुर्भाग्य से, अभाव अब ज्यादा खलने लगा है। हिंदू–मुस्लिम, मंदिर–मस्जिद, अगड़ी जाति–पिछड़ी जाति जैसे मुद्दों को उछालकर आज जो राजनीति की जा रही है, वह भविष्य के प्रति किसी प्रकार की आशाएं जगाने वाली तो नहीं ही है। सुना है किसी चुनावी सभा में कांग्रेसी नेता ने राजों–महाराजों के अत्याचारों की दुहाई दी थी। पलटवार प्रधानमंत्री की तरफ से हुआ। नहीं, उन्होंने यह नहीं कहा कि राजों–महाराजों की आलोचना क्यों हुई, उनकी शिकायत यह है कि राजों–महाराजों की बात करने वाले ने नवाबों–बादशाहों का नाम क्यों नहीं लिया?

हमारी राजनीति का यह गिरता स्तर निराश भी करता है और चिंतित भी। हैरानी की बात है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण जैसे गंभीर मुद्दे हमारी राजनीति में कोई जगह नहीं पा रहे। भटकती आत्माओं का सच भी किसी की चिंता का विषय नहीं है। रोजगार की बात सिर्फ विपक्ष कर रहा है, और वह भी दबी जुबान से। यह सच्चाई भी किसी को परेशान करती नहीं दिखाई दे रही कि पिछले पांच साल में देश में दो करोड़ से अधिक रोजगार घटे हैं और 45 करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्होंने निराश होकर काम की उम्मीद ही छोड़ दी है। यह बात भी किसी को परेशान नहीं करती दिखती कि आर्थिक असमानताएं लगातार बढ़ रही हैं। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं, गरीब और मार झेल रहे हैं। महिलाओं के सशक्तीकरण की बात तो हो रही है, पर सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमिक (सीएसआईई) का यह निष्कर्ष किसी की चिंता नहीं बनता दिख रहा कि काम न मिलने से देश की महिलाएं अधिक परेशान हैं। किसी भी पार्टी का कोई नेता यह नहीं बता रहा कि 2017 से 2020 के बीच कुल कामगारों की संख्या 46 प्रतिशत से घटकर 40 प्रतिशत क्यों हो गयी है। राजनीति की भटकती आत्माओं वाली बात सुनने में आकर्षक तो लगती है, पर हमारी राजनीति की चालों को देखते हुए यह भी एक चुनावी जुमला है। हमारे राजनेताओं ने जनता को देश का भाग्य–विधाता नहीं माना। यह भूमिका उन्होंने अपने लिए सुरक्षित रख छोड़ी है। जनता को भीड़ समझ लिया है हमारे नेताओं ने। एक ऐसी ही भीड़ जो आसानी से बहलायी–बहकाई जा सकती है। लोकतंत्र की सार्थकता की दृष्टि से यह स्थिति कतई ठीक नहीं है। जहां तक हमारी राजनीति की भटकती आत्माओं का सवाल है हकीकत यह भी है कि किसी भी रंग का राजनेता इसके दुष्प्रभाव से नहीं बचा है। हमारे लोकतंत्र को बदसूरत करने में इन सबका योगदान है। इन सब पर जागरूक जनता को नजर रखनी होगी। जनतंत्र में चुनाव राजनेताओं की ही नहीं, जनता की भी परीक्षा होती हैं। राजनेता तो हार कर भटकती आत्मा भी बन सकते हैं, पर जनता को तो सिर्फ जीतना ही होता है। जनता जीतेगी, तभी जनतंत्र जियेगा!–

मसालों की गुणवत्ता के प्रश्न

–प्रेम प्रकाश–

समय और संदर्भ मिलकर साझे तौर पर हमारे देशकाल को रचते हैं। इस लिहाज से देखें तो हमारा देशकाल बीसवीं सदी के आखिरी दशक से लेकर अब तक कई ठोस निर्मितियों को लेकर आया है। हम इस पूरे दौर को देखेंगे तो कई बातें जहां साफ होती हैं, वहीं इससे हम अपने समकाल को भी ज्यादा बेहतर समझ पाते हैं। गौरतलब है कि दुनियाभर में बाजार के दरवाजे एक साथ खुलने से जो स्थिति पैदा हुई है, उसमें भारत जैसे बड़ी आबादी और उत्पादक संभावनाओं वाले देश ने बीते दो–तीन दशक में बड़ी छलांग लगाई है। अब इससे आगे की स्थिति पगबाधा दौड़ जैसी है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उसे खासतौर पर व्यापारिक मोर्चे पर न सिर्फ कठिन अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ रहा है, बल्कि विभिन्न स्तरों पर सक्रिय अंतर्राष्ट्रीय लॉबी भी उसके खिलाफ है। बड़ी बात यह कि खासतौर पर कोविड बाद के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ी मजबूती ने भारत के खिलाफ अघोषित रूप से अंतर्राष्ट्रीय सांठगांठ को जन्म दिया है। लिहाजा इसे व्यापारिक कूटनीति के रूप में देखना ज्यादा सही होगा। किसी एक देश के खिलाफ इस तरह कूटनीतिक मोर्चा खुलना बिल्कुल नई बात है।

इसी पूरे मामले में नई खबर यह है कि भारत में बने कफ सिरप पर रोक से शुरू हुआ मामला अब भारत से निर्यात हुए मसालों तक आ पहुंचा है। सिंगापुर और हांगकांग द्वारा भारत के कुछ बड़े ब्रांड के मसालों को बैन करने के बाद अमेरिकी फूड और ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) भी इस मामले में सक्रिय हो गया है। हैरत नहीं कि बैन का फैसला अमेरिका की तरफ से भी देर–सवेर आ जाए। फिलहाल की स्थिति में एफडीए ने कहा है वह भारतीय कंपनियों को लेकर जारी रिपोर्ट्स को लेकर गंभीर है और वह इस बाबत ज्यादा जानकारी जुटाने में लगा है। वैसे एफडीआई की जांच या किसी निर्णायक जांच या निर्देश से पहले ही अमेरिका में भारतीय मसालों को लेकर सख्ती बढ़ गई है।

आलम यह है कि बीते छह महीने में अमेरिका ने भारत की सबसे बड़ी मसाला कंपनी के 31 फीसद मसालों के शिपमेंट को लेने से मना कर दिया है। अमेरिका से भारतीय मसालों के शिपमेंट को लौटाने के पीछे फिलहाल कारण यह बताया जा रहा है कि यह फैसला साल्मोनेला संक्रमण के खतरों को लेकर लिया गया है। अलबत्ता भारतीय मसालों को लेकर अस्वीकार की स्थिति अमेरिका में नई नहीं है। बल्कि देखा जाए तो यह सिंगापुर और हांगकांग के बैन के पहले से चला आ रहा मामला है। अमेरिकी सीमा शुल्क अधिकारियों ने पिछले साल भी भारत से आने वाले 15 फीसद मसालों को लौटाया था। वैसे भारत और अमेरिका से आगे बढ़कर यह मामला अब मालदीव तक पहुंच गया है। मालदीव ने भारतीय मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी है। मालदीव की फूड एंड ड्रग अथॉरिटी का कहना है कि भारत के दो मशहूर ब्रांड के मसालों में एथिलीन ऑक्साइड मिला है जिसके कारण इनकी बिक्री पर रोक लगाई गई है।

इससे पहले सिंगापुर और हांगकांग ने इन भारतीय ब्रांडों के कुछ उत्पादों में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने के कारण उन्हें प्रतिबंधित किया था। बताया गया कि इनमें पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है। बात अंतर्राष्ट्रीय मानक और चेतावनियों की करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) एथिलीन ऑक्साइड को ग्रुप वन के कार्सिनोजेन के रूप में देखती और वर्गीकृत करती है। लिहाजा इस निष्कर्ष से इनकार मुश्किल है यह लोगों में कैंसर का कारण बन सकता है।

ईंट भठ्ठे की दीवार ढहने से तीन मजदूरों की दबकर मौत, दो घायल

संवाददाता—महराजगंज। बृजमनगंज क्षेत्र के नौसागर गांव के करमहां टोले के समीप ईंट भट्ठे की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। जिससे उसके नीचे दब कर तीन मजदूरों की मौत हो गई और दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज सिद्धार्थनगर अस्पताल पर चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, झारखंड के निवासी संतोष (30), पार्वती (36), सुशीला (31), रमेश (30) व शांति (35) के साथ तमाम मजदूर करमहां स्थित भट्ठे पर परिवार के साथ मजदूरी करते थे। बुधवार की शाम करीब पांच बजें भठ्ठे के अंदर जाकर ईंट निकालने का काम कर रहे थे। उसी दौरान ईंट से गई दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। जिसके नीचे तमाम मजदूर दब गए। जिसमें कई लोगों को बाहर निकाला गया। जिसमें संतोष व पार्वती व सुशीला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

वहीं रमेश व शांति गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेज दिया गया। क्षेत्राधिकारी अनिरूद्ध कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। नवीन कुमार, उप जिलाधिकारी, ने कहा कि बृजमनगंज थाना क्षेत्र के नौसगर में संचालित ईंट भठ्ठे पर झारखंड के मजदूर काम कर रहे थे। ईट निकलते समय दीवार गिर गई जिससे तीन मजदूर की मौत हो गई। वहीं दो मजदूर घायल हैं, जिनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृत्यु का मुख्य कारण पता लगाने की कोशिश की जा रही है। नियमानुसार मृतक परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

साइफन में बरामद हुआ युवक का शव, गले सहित पूरे शरीर पर गंभीर चोटों के निशान

संवाददाता—बहराइच। बौंडी थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक का शव जैतापुर नहर में साइफन के पास बरामद हुआ है। युवक के शव पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं।

ग्रामीणों ने घटना की जानकारी परिजनों व पुलिस को दी है। बौंडी थाना क्षेत्र के जैतापुर कस्बे में जैतापुर—छत्तरपुरवा नहर में साइफन के पास गुरुवार की सुबह ग्रामीणों ने जैतापुर गांव निवासी रघुनंदन प्रसाद यादव(44) उर्फ हेतू का शव पड़ा हुआ देखा तो घटना की जानकारी परिजनों को दी। मृतक के गले सहित पूरे शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। मृतक के पिता मंशाराम व परिजनों ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी है। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। मौके पर पहुंचे एसओ बौंडी अंजनी कुमार राय ने लाश को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

घर के बाहर तख्त पर बैठे चार लोगों को अनियंत्रित कार ने मारी टक्कर, दो की मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। भीषण सड़क हादसे में 4 की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर बैठे 4 लोगों को रौंद दिया। हादसे में 2 की दर्दनाक मौत हो गई और 2 की हालत नाजुक बता जा रही है। जानकारी के मुताबिक 4 लोग घर के बाहर लेटे थे। अचानक वहां से गुजरी तेज रफ्तार कार चारों को रौंदती हुई निकल गई। चारों में से दो ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और अन्य दो को आनन—फानन में अस्पताल भेजा गया जहां उनकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि 45 वर्षीय मुसाहिब अली पुत्र फारूक निवासी गिरंट कस्बा, 60 वर्षीय निजामुद्दीन पुत्र अब्दुल हक निवासी गिरंट कस्बा, 60 वर्षीय राशिद अहमद पुत्र अब्दुल हक निवासी गिरंट कस्बा व 35 वर्षीय काजी साहब मौलाना निवासी कन्नापुर जनपद बहराइच बुधवार रात में गिरंटबाजार स्थित घर के सामने चारपाई पर लेटे थे। इसी बीच बदला चौराहे की तरफ से नानपारा की ओर जा रही अनियंत्रित कार ने चारों को रौंदा दिया। इससे मुसाहिद व निजामुद्दीन की मौके पर मौत हो गई। जबकि राशिद व मौलाना को जिला अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया।

घटना के बाद आस—पास के लोग मौके पर जमा हो गए। चारों को देखा तो दो की मौत हो चुकी थी। अन्य दो घायलों को आनन—फानन में इलाज के लिए भर्ती किया गया। डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। हादसे की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घायलों की हालत ठीक होने पर बयान दर्ज करेगी। मामले की जांच शुरू की गई है। पुलिस आस—पास सीसीटीवी खोज रही है जिससे हादसे से जुड़ी गाड़ी की जानकारी निकाली जा सके।

संदिग्ध हालात में फंदे से लटकी मिली महिला की लाश

संवाददाता—श्रावस्ती। संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला की लाश घर के कमरे में फांसी के फंदे से लटकी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच पड़ताल की।

मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मल्हीपुर खुर्द निवासी अंजली देवी (24) पत्नी अमर गुप्ता का शव गुरुवार को कमरे में फांसी के फंदे से लटकी पाई गई। बताया जाता है कि हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के चिरैया गांव निवासी रामधन गुप्ता की लड़की अंजली की शादी पांच वर्ष पहले भुसैली गुप्ता के बेटे अमर गुप्ता के साथ हुई थी। 30 अप्रैल को अंजली अपने दो बच्चों सात साल की पुत्री लाडली व सात माह के बेटे आर्यन गुप्ता को साथ में लेकर अपने मायके चिरैया में चाचा के घर बरही कार्यक्रम में गई थी। जहां खेलते समय बेटी लाडली के पैर में चोट लग थी। बुधवार शाम को अंजली मायके से वापस घर आई तो पति अमर गुप्ता ने बेटी के पैर में चोट देखा।

इसी बात को लेकर पति पत्नी में विवाद हो गया। बताया जाता है कि गुरुवार सुबह पति अमर गुप्ता अपने पिता के साथ सब्जी लाने भिनगा मंडी चला गया। मंडी से होकर जब वह घर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज लगाई लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इस पर किसी तरह से दरवाजा खोला तो अन्दर फंदे से अंजली का शव लटक रहा था। शव नीचे उतारा गया और मायके में सूचना दी गई। सूचना पर पहुंचे मृतका के पिता रामधन गुप्ता की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फारेंसिक टीम ने कमरे में जांच पड़ताल की। मल्हीपुर थानाध्यक्ष जयहरि मिश्रा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल अफसर व फार्मासिस्ट मिले गायब, आरोग्य मंदिर मिला बंद

संवाददाता—बलरामपुर। अपर सीएमओ डॉ. बीपी सिंह ने गुरुवार को तुलसीपुर ब्लाक के आयुष्मान आरोग्य मंदिर सुगानगर, बरगदही, लैबुड़वा व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र महराजगंज तराई तथा कौवापुर का निरीक्षण किया। सुगानगर व लैबुड़वा आयुष्मान मंदिर बंद पाया गया, वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सक व कर्मी भी अनुपस्थित पाए गए। स्वास्थ्य केन्द्रों पर तमाम अव्यवस्थाएं भी पाई गई। एसीएमओ ने रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी है। अपर सीएमओ डॉ. बीपी सिंह ने बताया कि गुरुवार को सवा 11 बजे आयुष्मान आरोग्य मंदिर सुगानगर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सेंटर बंद मिला। गांव वालों ने बताया कि सेंटर महीने में कभी—कभार ही खुलता है। यहां तैनात सीएचओ काजल कुमारी अनुपस्थित पाई गई, जबकि एटेंडेंस मैनेजमेंट सिस्टम पर नौ बजकर 41 मिनट छह सेकेंड पर उनका अटेंडेंस पंच किया गया था। इसी क्रम में सवा बजे एसीएमओ ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर बरगदही का निरीक्षण किया। यहां पर सीएचओ योगिता सचान व एएनएम अनामिका सिंह उपस्थिति पाई गई। आशा संगिनी भी ड्यूटी पर थी। एसीएमओ ने बताया कि गुरुवार को यहां एएए की मीटिंग आयोजित की गई। गोल्डन कार्ड से सम्बन्धित पात्र गृहस्थी की सूची नहीं पाई गई। प्रसव सूची से सम्बन्धित कोई रिकार्ड यहां नहीं मिला। रनिंग वाटर एवं शौचालय संचालित नहीं पाया गया। आरोग्य मंदिर लैबुड़वा दो बजकर 36 मिनट पर बंद पाया गया। यहां तैनात सीएचओ सम्बुल नाज अनुपस्थित थीं। ग्रामीणों ने बताया कि कभी कभार ही सेंटर खुलता है। एसीएमओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र महराजगंज तराई का निरीक्षण किया। यहां तैनात मेडिकल आफीसर, स्टाफ फार्मासिस्ट व अन्य कर्मी उपस्थित पाए गए। एएनएम प्रियंका राय का रजिस्टर पर उपस्थिति अंकित नहीं पाया गया। एलएचवी रागिनी मौर्या अनुपस्थित पाई गई। एसीएमओ ने बताया कि फार्मासिस्ट द्वारा एक्सपाइरी रजिस्टर ठीक से नहीं बनाया जा रहा है। यहां पर दवाओं का मिलान भी कराया गया। इसी क्रम में उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कौवापुर का निरीक्षण किया। यहां मेडिकल अफसर व फार्मासिस्ट अनुपस्थित पाए गए। लेबर रूम में प्रसव पंजिका 12 अप्रैल 2024 से नहीं पाई गई। पीएमसी वार्ड में बेड शीट किसी भी बेड पर नहीं पाया गया। वार्ड में लाभार्थियों द्वारा बताया कि लौकहवा एवं कुड़वा की आशा द्वारा किसी प्रकार का सहयोग नहीं किया जा रहा है। शौचालय आदि में भारी गंदगी पाई गई। एसीएमओ ने बताया कि रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है।

करण के कंधों पर बृजभूषण की सियासी विरासत

संवाददाता—गोण्डा। कैसरगंज संसदीय सीट से टिकट को लेकर जारी ऊहापोह गुरुवार दोपहर बाद सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करन भूषण सिंह को भाजपा प्रत्याशी बनाने की घोषणा होते ही समाप्त हो गया। इसके बाद विश्नोहरपुर स्थित सांसद आवास का नजारा बदल गया। भाजपा से टिकट मिलने की घोषणा के बाद करण भूषण सिंह तेज कदमों से आए और लोगों से घिरे पिता बृजभूषण शरण सिंह का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मोबाइल पर बात करते—करते पिता ने बेटे के कंधे को कई बार हल्के से थपथपाकर आशीर्वाद दिया। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व उपाध्यक्ष रह चुके करण भूषण वर्तमान मे उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं।

भाजपा की पहली सूची जारी होने के बाद कैसरगंज सीट से टिकट को लेकर भाजपा में रस्साकशी चल रही थी। हालांकि, सांसद परिवार से जुड़े लोगों को मुताबिक टिकट उनके परिवार के ही किसी सदस्य को मिलने की आशा थी। गुरुवार को अंततरू हुआ भी वही। अब तक पिता की कुश्ती और खेल प्रेम को संभालने वाले करण भूषण के ऊपर उनकी सियासी विरासत को भी संजोने की जिम्मेदारी आ गई है।

बीबीए और एलएलबी हैं करण भूषण सिंहरू 13 दिसम्बर 1990 को जन्मे करण भूषण सिंह ने डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से बीबीएस करने के बाद एलएलबी किया है। उन्होंने वर्ष 2006 में हाईस्कूल और 2008 में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की। अब तक वह यूरोप, आस्ट्रेलिया, दुबई, सिंगापुर और थाईलैंड की विदेश यात्रा कर चुके हैं। खास बात यह है कि उनके ऊपर कोई भी आपराधिक मामला नहीं दर्ज है।

गोशालाओं का व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने का निर्देश

संवाददाता—श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा के निर्देश पर गुरुवार को एक साथ सभी गोशालाओं का निरीक्षण किया गया। नोडल अधिकारियों ने गोशालाओं में जरूरी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और व्यवस्था ठीक रखने का निर्देश दिया।

न्याय पंचायत स्तर पर नामित नोडल अधिकारियों ने गुरुवार को गोशालाओं का औचक निरीक्षण किया। जिसके तहत निराश्रित गो आश्रय स्थल एवं वृहद गो आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया तथा गो आश्रय स्थल पर सभी मूलभूत सुविधाओं को व्यवस्थित रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान चन्नी, भूसा, पानी, प्रकाश तथा जल निकासी आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नामित नोडल अधिकारियों ने केन्द्र प्रभारी को निर्देश दिया कि गर्मी को देखते हुए पशुओं के लिए चारा—पानी एवं उनके रहने के लिए छाया की व्यवस्था ठीक होनी चाहिए। इसके साथ ही पशुओं के चारे भूसे में कमी मिलने पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी।

चुनाव में वाहन देने पर तकरार, अधिग्रहण आदेश लेने से इंकार

संवाददाता—गोण्डा। चुनाव में वाहन देने को तकरार होता रही है। कुछ वाहन स्वामी तो प्रशासन का वाहन अधिग्रहण आदेश लेने में आनाकानी कर रहे हैं तो कुछ लेने से ही इंकार कर जा रहे हैं। ऐसे में प्रशासन ने अधिग्रहण आदेश न लेने वालों के खिलाफ एफआईआर की चेतावनी दी गई है। परिवहन विभाग ऐसे लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की कवायद में जुटा हुआ है।

जिले में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 20 मई को होना है। लोकसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए लगभग 600 बड़े एवं 1200 छोटे वाहनों की आवश्यकता है। छोटे वाहनों को 16 मई एवं बड़े वाहनों को 17 मई को पुलिस लाइन्स परेड ग्राउण्ड पर पहुंचना है। उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्गत अधिग्रहण आदेश पुलिस के माध्यम से थानावार तामीला कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परिवहन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी प्रत्येक विद्यालय में जाकर वहां के वाहनों को अधिग्रहण आदेश प्राप्त करा रहे हैं। अधिग्रहण आदेश तामीला कराने के दौरान देखा जा रहा है कि कुछ वाहन स्वामी अधिग्रहण आदेशों को लेने से ही इनकार कर रहे हैं। जिसको लेकर परिवहन विभाग की परेशानियां बढ़ जा रही हैं।

वाहन स्वामियों को किया जा रहा चिन्हित रू पीटीओ शैलेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि अधिग्रहण आदेश न लेना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 का उल्लंघन है। ऐसे वाहन स्वामियों व विद्यालयों के प्रबंधकों की पहचान कर ली गयी है और इनके खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की सुसंगत धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि कुछ विद्यालय ऐसे भी हैं जो अपने सभी वाहनों को न देकर कुछ वाहनों को ही चुनाव में देने की बात कर रहे है। जबकि डीएम द्वारा स्पष्ट कर दिया गया है कि चुनाव में जिन भी विद्यालयों व व्यक्तियों का वाहन निर्धारित तिथि को निर्धारित स्थान पर उपलब्ध नही कराया जायेगा, उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। समस्त विद्यालय और व्यक्ति अपने वाहनों को निर्धारित समय व स्थान पर चुनाव कार्य के लिए वाहन उपलब्ध कराएं।

पैराग्लाइडर और बीएमडब्ल्यू समेत कई महंगी गाड़ियों के मालिक है कीर्तिवर्धन सिंह, पत्नी के पास 2 किलो सोना

संवाददाता—गोण्डा। गोंडा जिले के मनकापुर कोट की रहने वाले कुंवर आनंद सिंह के बेटे कीर्ति वर्धन सिंह उर्फ राजा भैया बीजेपी से मौजूदा सांसद और भाजपा प्रत्याशी है। राजा भैया ने अपने चुनावी हलफनामे में अपना तथा अपनी पत्नी और बेटे के नाम की संपत्ति का ब्योरा नामांकन के समय दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी को दिए गए शपथ पत्र में उनके पास 18.48 लाख का ग्लाइडर, 35 लाख की महिंद्रा एंड महिंद्रा अल्टोरस और 55 लाख रुपये की बीएमडब्ल्यू, एसयूवी समेत छह महंगी गाड़ियां हैं। जहां कीर्तिवर्धन सिंह के पास 7.30 लाख रुपये का 100 ग्राम सोना है। वहीं पत्नी के पास 1.46 करोड़ रुपये के दो किलो सोने के गहने हैं। इसके अलावा उनकी पत्नी के पास डबल बैरल गन और एक राइफल है। जबकि कीर्तिवर्धन के पास पिस्तौल और राइफल है। राजा भैया की पत्नी के नाम 5.01 करोड़ रुपए तथा कीर्तिवर्धन के पास 3.33 करोड़ रुपए की चल संपत्ति है। कीर्तिवर्धन के पास 2.80 करोड़ रुपये और मधुश्री के पास 63.99 लाख रुपये की अचल संपत्ति है। 3.30 करोड़ की अचल संपत्ति कुटुंबजनों के पास भी है। वह भाजपा के टिकट पर तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। पति और पत्नी बेटे और पिता को मिलाकर 19 बैंक खाते हैं। जिसमें कीर्तिवर्धन सिंह के पास 2.10 पत्नी के पास 1.50 पिता के पास 1.40 और बेटे के पास 50 हजार की नगदी है।

योग गुरु महेश योगी की भीष्म प्रतिज्ञा 6 माह तक भोजन त्यागकर कर रहे हैं कपालभाति

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी बसंतिया पट्टी अयोध्या के लोकप्रिय संत, हठयोगी महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी की हनुमानगढ़ी निज आश्रम पर 2 अप्रैल 2024 से भोजन का त्यागकर अनवरत 11 घंटे प्रतिदिन कपालभाति की कठोर साधना निरंतर जारी है। प्रतिदिन 11 घंटे में उन्होंने एक लाख स्ट्रोक कपालभाति करने का लक्ष्य निर्धारित कर रखा है।गौर तलब है कि स्वामी जी ने आज 30 दिन की अनवरत साधना पूर्ण करने के साथ—साथ 30 लाख कपालभाति करने का एक नया आयाम स्थापित किया है किंतु यह अभी विराम नहीं हुआ है। लगभग एक करोड़ 51 लाख स्ट्रोक कपालभाति करने हेतु उनकी यह साधना अभी अनवरत 6 माह तक जारी रहेगी।

भारत के चारों दिशाओं में चार दिव्य योग धाम (हनुमान जी की चार धर्मपीठ) तथा अयोध्या में इन सभी योगपीठ के केंद्र के रूप में ब्रह्मर्षि वशिष्ठ योगपीठ की स्थापना करने हेतु 22 नवंबर 2022 को सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में अयोध्या के वरिष्ठ संत जनों की उपस्थिति में अपने पूज्य गुरुदेव भगवान की सहमति से स्वामी महेश योगी ने श्री हनुमान जी का आशिर्वाद लेकर 14 वर्ष के अंतराल में यानी सन 2036 तक भारत के चारों दिशाओं में (पश्चिम भारत गुजरात मे रूद्र धाम, उत्तर भारत जम्मू कश्मीर में हनुमत धाम, दक्षिण भारत केरल में रामेष्ट धाम यथा पूर्वी भारत मेघालय में पिगाक्ष धाम) इन चार दिव्य योग धाम की स्थापना का संकल्प लिया था। इस महनीय उद्देश्य की पूर्ति के लिए स्वामी महेश योगी जी ने 14 वर्षीय यात्रा को सफल आयाम तक ले जाने हेतु पांच संकल्प लिए थे जिसमें से एक 11 दिवस तक अनवरत कपालभाति करने का भी संकल्प रहा। जिसका आयोजन सितंबर 2024 राजधानी दिल्ली में होना सुनिश्चित है। दिल्ली में महेश योगी अनवरत दिन – रात 11 दिवस तक (यानी 264 घंटे) लगातार लगभग 21 लाख स्ट्रोक कपालभाति करने का संकल्प पूर्ण करने के उद्देश्य से अयोध्या श्री हनुमानगढ़ी अपने निज आश्रम पर 2 अप्रैल 2024 से भोजन का त्याग कर अनवरत कपालभाति की कठोर हठ योग साधना कर रहे हैं।योग, कला, साहित्य व अध्यात्म के क्षेत्र में पहले भी अनेकों विश्व कीर्तिमान बनाकर आपने विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया है।आपके द्वारा बनाए गए विशेष कीर्तिमानों में अनवरत 76 घंटे तक योग मैराथन करने का विश्व रिकॉर्ड, अनवरत 51 घंटे कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड, 1 मिनट में 21 बार सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड, एक घंटा 15 मिनट शीर्षासन में कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड, अयोध्या मां सरयू की गोद में लगातार 2378 बार डुबकियां लगाने का विश्व रिकॉर्ड, चित्रकला के क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी व्यक्ति चित्र श्रृंखला बनाने का विश्व रिकॉर्ड, अब तक 11000 चित्रों का सृजन करने का रिकॉर्ड तथा दिव्य भारत गौरव ग्रंथ एवं भारत ऋषि ज्ञान एनसाइक्लोपीडिया के लेखन कार्य जैसे अनेकों विशिष्ट कीर्तिमान महेश योगी जी के नाम से दर्ज हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में सात बार एम.ए., एमफिल तथा पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके महेश योगी विविध विद्यालय एवं विश्वविद्यालय में प्रवक्ता एवं असिस्टेंट प्रोफेसर व डायरेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर चूके हैं तथा योग, कला व साहित्य में आपने अब तक 32 पुस्तकों का लेखन भी किया है व शासन द्वारा आपके पैतृक गांव का नाम बदलकर (महेश योगी नगर) कर दिया गया है। वर्तमान में महेश योगी अयोध्या सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी में लगभग दो दशक से श्री हनुमान जी के दास के रूप में योग एवं आध्यात्मिक के क्षेत्र में राष्ट्र की आराधना में सेवारत हैं। योग व आध्यात्म को बढ़ावा देने हेतु अपने दिव्य भारत निर्माण ट्रस्ट एवं भारत योग एसोसिएशन ट्रस्ट की स्थापना भी किया है जो आज संपूर्ण भारतवर्ष में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है।

ग्राम पंचायतों में होगी सांध्यकालीन चौपाल

संवाददाता—गोण्डा। जिले के गांवों में वृद्धजनों की भागीदारी के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलेगा। स्वीप के तहत प्रशासन ने पंचायतों में सांध्यकालीन चौपाल का आयोजन करने का फैसला किया है। डीएम, सीडीओ, सभी एसडीएम, तहसीलदार समेत अन्य अधिकारी अपने—अपने स्तर पर ग्राम पंचायतों में इनका आयोजन करेंगे।

गोण्डा जनपद में लोकसभा चुनाव पांचवें चरण यानी 20 मई को होना है। जिले में 25.30 लाख पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 13.50 लाख पुरुष, 11.82 लाख महिलाएं और 94 ट्रांसजेंडर हैं। 85 वर्ष से अधिक वाले मतदाताओं की संख्या 18,624 है। 2019 के लोकसभा चुनाव में, इस चुनाव क्षेत्र में 52.2 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो कि राज्य औसत 59.21 प्रतिशत से कम था। इसी क्रम में आगामी 2024 आम चुनावों में भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रयास जारी है। 10—10 ग्राम पंचायतों में भ्रमण करेंगेरू जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम 06 मई, 09 मई और 13 मई को आयोजित किया जाएगा। नोडल अधिकारी निर्धारित तिथि पर आवंटित सभी कार्यक्रमों में उपस्थित रहकर कार्यक्रम सम्पन्न कराएंगे। साथ ही सभी एसडीएम अपने तहसील क्षेत्र में नियत तिथियों में कम से कम 10—10 ग्राम पंचायतों में भ्रमण करेंगे। यही लक्ष्य तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा राजस्व निरीक्षकों को सौंपा गया। इसके अतिरिक्त समस्त खण्ड विकास अधिकारी भी अपने विकासखण्ड की समस्त ग्राम पंचायतों में निर्धारित तिथियों पर कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

एसपी ने शिकायत सुन निस्तारण का दिया निर्देश

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने गुरुवार को जनता दर्शन में लोगों की शिकायत सुनी। इस दौरान कुल नौ प्रार्थना पत्र मिले। जिसमें एक भूमि विवाद, दो पारिवारिक विवाद व छह अन्य विवादों से संबंधित रहे। लोगों की शिकायत सुन एसपी ने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायती पत्रों का समय से निस्तारण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिकायत निस्तारण में लापरवाही करने पर कार्रवाई होगी।

संपत्ति के विवाद में युवक ने सौतेली मां को गोली मारी, गंभीर

संवाददाता—कुशीनगर। पटहेरवा थाना क्षेत्र के फाजिलनगर नगर पंचायत के वार्ड संख्या छह के युवक ने बुधवार की रात करीब एक बजे संपत्ति के विवाद में सौतेली मां को सोते समय गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर अगल—बगल के लोग जब तब पहुंचे, हमलावर भाग चुके थे। गांववालों ने गंभीर रूप से जख्मी महिला को सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। महिला के गर्दन और पैर में गोली लगी है। महिला मेडिकल कॉलेज के सर्जरी वार्ड में भर्ती है। यहां के स्व. रविंद्र सिंह की दो शादी हुई थी। पहली पत्नी से एक पुत्र विशाल है। दूसरी पत्नी सुमित्रा (40) से एक बेटा और दो बेटियां हैं। रविंद्र सिंह के निधन के बाद विशाल और सुमित्रा तथा उसके बेटे के नाम वरासत हो गई। गांववालों के अनुसार, विशाल अपने हिस्से की काफी जमीन बेच चुका है। विवाद होने की स्थिति में सौतेली मां ने खारिज दाखिल पर कोर्ट में आपत्ति की है। इसको लेकर

दोनों में अक्सर कहासुनी होती रहती थी। बुधवार की रात विशाल अपने तीन दोस्तों को घर पर भोजन के लिए बुलाया। देर रात तक दावत का दौर चला। इस दौरान सौतेली मां सुमित्रा बच्चों के साथ सो गई। रात करीब एक बजे लोगों ने गोली चलने की आवाज सुनी तो मौके की तरफ दौड़ पड़े। सुमित्रा के घर का दरवाजा खुला था। अंदर जाने पर वह खून से लथपथ अचेत पड़ी थीं। उनके पैर और गर्दन पर गोली लगी थी। गांववालों ने उन्हें सीएचसी फाजिलनगर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। डॉक्टर के अनुसार महिला बोल पाने की स्थिति में नहीं है। सूचना के बाद पहुंची पुलिस घटना की जानकारी लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी में जुट गई। सूत्रों के अनुसार, पुलिस विशाल व उसके दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सीओ जितेंद्र सिंह कालरा ने बताया कि घायल महिला के भाई की तहरीर पर विशाल समेत दो लोगों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगी है।

बसपा ने फिर बदला प्रत्याशी, सैय्यद दानिश की जगह उनके भाई नदीम अशरफ को मिला टिकट

संवाददाता—संतकबीर नगर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपने पूर्व घोषित प्रत्याशी सैय्यद दानिश का टिकट काटकर उनके सगे भाई नदीम अशरफ को बसपा का अधिकृत प्रत्याशी बनाया है। सैय्यद दानिश बेलहर विकास खंड के कुसुरु कला गांव के निवासी हैं। यह सामाजिक कार्यकर्ता है। वर्ष 2019 से बसपा से जुड़े हुए है। 38 वर्षीय नदीम अशरफ शादीशुदा है। पोस्ट ग्रेजुएट है। पहले मोहम्मद आलम फिर सैय्यद दानिश व अब नदीम अशरफ को टिकट देकर बसपा ने सभी को चौंका दिया है। नदीम को प्रत्याशी बनाए जाने पर बेलहर क्षेत्र के लोगों ने खुशी जताई है। दो दिनों से बसपा के पूर्व घोषित प्रत्याशी सैय्यद दानिश की मतदाता सूची में नाम नहीं होने की चर्चा थी। जिसकी वजह से प्रत्याशी बदलने की चर्चा तेज थी। गुरुवार की सुबह इस पर मुहर लग गई। बसपा ने अपने परंपरागत वोटर के साथ—साथ जनपद में बड़ी संख्या में मौजूद अल्पसंख्यक मतों को जोड़ने के उद्देश्य से मुस्लिम प्रत्याशी दिया है।

बसपा के घोषित किए गए प्रत्याशी नदीम अशरफ ने बताया कि वह बहुजन समाज पार्टी के रीति नीति के अनुसार कार्य करेंगे। बहन मायावती ने उन पर भरोसा जताया है। जिस पर वह पूरी तरह से खरे उतरेंगे। जनता एक साफ सुथरी छवि के प्रत्याशी को चुनाव में जरूर पसंद करेगी। वह बसपा की झोली में संतकबीर नगर की सीट डालने का कार्य करेंगे।

कद्दावर नेता राकेश चतुर्वेदी ने दिया बस्ती में भाजपा सांसद को समर्थन

—भारतीय बस्ती संवाददात—

बस्ती। कई शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबंधक,दमदार राजनैतिक छवि और नाथनगर के पूर्व ब्लाक प्रमुख राकेश चतुर्वेदी से मिलने आज जिले के सांसद हरीश द्विवेदी पहुंचे।शहर स्थित राजन इंटरनेशनल एकेडमी में मुलाकात के दौरान राकेश चतुर्वेदी ने गरमजोशी से सांसद को माला पहना कर व बुके देकर स्वागत किया।भारी संख्या मे राकेश चतुर्वेदी के समर्थकों ने सांसद बस्ती व राकेश चतुर्वेदी के जय जय कार के नारे लगाए।इस अवसर पर प्रबंधक राकेश चतुर्वेदी ने कहा की एक समय लोग कहने लगे थे की बस्ती को बस्ती कहूँ तो का को कहूं उजाड़ पर बीते 10 सालों में सांसद हरीश द्विवेदी ने बस्ती का जो काया कल्प किया है उसने इस वाक्य को निरर्थक साबित कर दिया है।आज बस्ती के सुंदरीकरण की बात हो या गाँव—गाँव सड़क की,शौचालय या सुरक्षा की बात करें सभी वादों पर खरे उतने का काम देश में प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी ने व जिले मे सांसद हरीश द्विवेदी ने किया है।भारी लाव लश्कर के साथ बस्ती पहुंचे प्रबंधक राकेश चतुर्वेदी ने सांसद बस्ती को एक बार फिर बस्ती का सांसद बनाने के लिए अपने पूर्ण समर्थन व हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया।इस अवसर पर सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा की सरकार राष्ट्र के अंतिम व्यक्ती तक शिक्षा,सुरक्षा व विकास के लिए प्रतिबद्ध है,ऐसे मे प्रबंधक राकेश चतुर्वेदी के सहयोग से जिले में भाजपा की स्थिति को मजबूती मिलेगी।उन्होंने इस सहयोग के लिए राकेश चतुर्वेदी व उनके परिवार व सहयोगियों का आभार भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर निहाल पाण्डेय,अंकित पाल, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बनकती अरविन्द पाल,दिलीप पाण्डेय,सूर्य मनी पाण्डेय,सञीव् पाण्डेय, वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी डॉक्टर धनुष धारी सिंह ,अनादी नाथ पाण्डेय,मनीष मिश्रा,जीत यदुवन्श, सौरभ पाण्डेय,अमित मिश्रा,शिवांश उपाध्याय,मनीष श्रीवास्तव,आदि उपस्थित रहे।

कहीं प्राइवेट गार्ड तो कहीं चपरासी संभाल रहे स्कूलों की सुरक्षा

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में भी दिल्ली, एनसीआर के स्कूलों में बम की धमकी का असर देखने को मिला। स्कूलों के जिम्मेदारों ने सुरक्षा को परखा और व्यवस्था और सख्त कर दी। कुछ बड़े प्राइवेट स्कूलों में तो व्यवस्था चाक चौबंद है। लेकिन सरकारी और छोटे विद्यालय भगवान भरोसे हैं। बड़े प्राइवेट स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड सम्भाल रहे हैं। यहां पर बिना जांच और बिना पूरा डिटेल दर्ज कराए स्कूल में प्रवेश मिलता ही नहीं है। लेकिन तमाम विद्यालयों की सुरक्षा से लेकर सफाई तक की व्यवस्था चपरासी के हाथ में है। जिला मुख्यालय पर करीब डेढ़ दर्जन बड़े प्राइवेट और सरकारी स्कूल संचालित होते हैं। पूरे जिले में 300 से अधिक विद्यालय हैं। इन विद्यालयों में सुरक्षा के नाम पर कोई खास व्यवस्था नहीं है। जिला मुख्यालय के आधा दर्जन बड़े विद्यालयों को छोड़ दिया जाए तो बाकी विद्यालयों की स्थिति बेहद खराब है। बड़े स्कूलों में सुरक्षा के लिए प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड रखा हुआ है। इसके अलावा इन विद्यालयों में बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित होता है। अभिभावक जाते हैं तो उनका पूरा ब्योरा दर्ज किया जाएगा। वहीं कई ऐसे विद्यालय हैं जहां कोई भी आ जा सकता है। हालांकि स्कूल संचालित होने के समय पर गेट बंद रहता है और विद्यालय का फोर्थ क्लास स्टॉफ तैनात किया जाता है। दिल्ली—एनसीआर की घटना के बाद जनपद के विद्यालयों में सक्रियता देखने को मिली। जिला मुख्यालय पर स्थिति सेंट थॉमस इंटर कॉलेज में प्राइवेट सुरक्षा व्यवस्था तैनात है। यहां स्कूल समय में किसी को प्रवेश नहीं दिया जाता है। अभिभावक यदि आते हैं तो उनका पूरा ब्योरा लेने के बाद केवल ऑफिस तक ही जाने दिया जाता है। बच्चों के क्लास तक कोई जा ही नहीं सकता है। मुख्य गेट से लेकर परिसर तक सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

सूर्या इंटर नेशनल सीनियर सेकेंड्री स्कूल खलीलाबाद के मुख्य गेट पर गार्ड की 24 घंटे तैनाती है। यहां स्कूल समय में किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाता है। ऑफिस तक भी वही जा पाते हैं जिनके बच्चे यहां पर पढ़ते हैं। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी की जाती है। प्रधानाचार्य रविनेश श्रीवास्तव ने बताया कि सुरक्षा को लेकर विद्यालय पहले से एलर्ट है। अब और सक्रियता बढ़ा दी गई है। जिला मुख्यालय पर स्थित ब्लूमिंग बड्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल खलीलाबाद परिसर पूरी तरह से प्राइवेट सिक्योरिटी कंपनी की सुरक्षा में है। कई गार्ड 24 घंटे मुस्तैद रहते हैं। गेट के भीतर प्रवेश केवल अभिभावकों को ही मिलता है। उनकी भी पूरी जांच होती है, रजिस्टर में उनका डिटेल दर्ज किया जाता है। उनके जाने और निकलने का समय भी नोट होता है। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरे लगे ही हैं। विद्यालय के ऑफिस के बाद किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाता है। विद्यालय के व्यवस्थापक राजेश पांडेय ने बताया कि सुरक्षा को लेकर विद्यालय परिवार पहले से ही एलर्ट है, लेकिन अब और सख्ती बढ़ा दी गई है। शहर के बीच स्थापित सबसे पुराने इंटर कॉलेज में सुरक्षा की व्यवस्था विद्यालय के चपरासी संभालते हैं। हालांकि यहां प्रवेश आसानी से हो सकता है। लेकिन जिस समय कक्षाएं संचालित होती हैं उस समय किसी को प्रवेश नहीं दिया जाता है।

इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी 10 को करेंगे नामाकंन

संवाददाता—गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के बेतियाहाता स्थित कार्यालय पर इंडिया गठबंधन की जिला समन्वय समिति की बैठक सपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम की अध्यक्षता में हुई। लोकसभा प्रत्याशी काजल निषाद और बांसगांव के कांग्रेस प्रत्याशी सदल प्रसाद के नामांकन को लेकर चर्चा हुई। बताया गया कि काजल निषाद और सदल प्रसाद का नामांकन 10 मई को होगा। सपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने कहा कि कोविशील्ड वैक्सीन मामले की जांच होनी चाहिए। भाजपा सरकार ने जनता को धोखा दिया है। किसानों, नौजवानों के साथ छल किया है। बैठक में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी, जिला महासचिव रामनाथ यादव, डॉक्टर मोहसिन खान अवधेश यादव, प्रह्लाद यादव, आशुतोष तिवारी, डॉ. सुरहिता करीम, विजय कुमार श्रीवास्तव, रूपावती बेलदार, राजेश साहनी, राकेश सिंह, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, अखिलेश यादव, राघवेंद्र तिवारी, राजू मैना आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल निगरानी संख्या 21/2023
अदालत—श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला—बस्ती

गयासुद्दीन (मृतक) आदि
बनाम
रियाजुद्दीन आदि

1. रियाजुद्दीन उम्र लगभग 70 साल पुत्र बदरूद्दीन साकिन मौजा रामपुर मुड़री तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती
—रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग

2. जहीरूद्दीन उम्र लगभग 48 साल पुत्र सराजुद्दीन 3. अलहुद्दीन उम्र लगभग 45 साल पुत्र सराजुद्दीन 4. नुरूद्दीन उम्र लगभग 38 साल पुत्र सराजुद्दीन 6. युसूरूद्दीन उम्र लगभग 42 साल पुत्र चिरागुद्दीन 7. नसीरूद्दीन उम्र लगभग 40 साल पुत्र चिरागुद्दीन 8. वसीयुद्दीन उम्र लगभग 38 साल पुत्र चिरागुद्दीन 9. सदरूद्दीन उम्र लगभग 35 साल पुत्र चिरागुद्दीन 10. श्रीमती साहिदा खातून उम्र लगभग 65 साल पत्नी चिरागुद्दीन
रेस्पान्डेन्ट द्वितीय वर्ग

11. मिसबाहुद्दीन उम्र लगभग 38 साल पुत्र गयासुद्दीन 12. अलीमुद्दीन उम्र लगभग 35 साल पुत्र गयासुद्दीन
रेस्पान्डेन्ट तृतीय वर्ग

साकिनान मौजा रामपुर मुड़री तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती

तारीख पेशी 27—05—2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 27 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अवध यूनिवर्सिटी में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन शुरू

संवाददाता—अयोध्या। अवध यूनिवर्सिटी ने स्नातक, परास्नातक और डिप्लोमा में दाखिले के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अयोध्या के डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवासीय परिसर के स्नातक, परास्नातक, पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय से संबंधित राजकीय महाविद्यालयों के समस्त पाठ्यक्रमों तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 15 जून तक छात्र आवेदन कर सकेंगे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 175/2023
अदालत—श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय संतकबीरनगर

कुसुम
बनाम
विनय कुमार

विनय कुमार पुत्र हरिराम निवासी ग्राम मसौना थाना कोतवाली खलीलाबाद तप्पा रामपुरपैली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 27—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 27 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 510/2023
अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

अब्दुल्लाह
बनाम
श्रीमती जाहिदा आदि

1. श्रीमती जाहिदा पत्नी वशीउल्लाह 2. श्रीमती खुशनैदा पत्नी समीउल्लाह 3. श्रीमती नौसावा खातून पत्नी हुसेन अहमद साकिनान मौजा किठिऊरी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती
—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

4. वसीउल्लाह 5. समीउल्लाह 6. हुसेन अहमद पुत्रगण स्व0 मजीबुल्लाह साकिनान मौजा किठिऊरी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती
—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 05—07—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 174/2023
न्यायालय— श्रीमान अपर सिविल जज (जू0डि0) स्थान—नौगढ़ जिला—सिद्धार्थनगर

अलाउद्दीन
बनाम
रिजवान शाह

1. रिजवान शाह पुत्र अब्दुल रहमान शाह 2. अब्दुल रहमान शाह पुत्र अब्दुल रहमान शाह 3. जुवैदा पत्नी अब्दुल रहमान शाह साकिनान वर्डपुर नं0—7 टोला महुउवा पोस्ट तप्पा घोष परगना व तहसील नौगढ़ जिला—सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 12—08—2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **12—08—2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 286/2023
अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

रामजीत
बनाम
विवेक सिंह आदि

1. विवेक सिंह उम्र लगभग 38 साल पुत्र भानूप्रताप सिंह निवासी मौजा पिपरा खास तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला—बस्ती
—प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. दशरथ उम्र लगभग 40 साल पुत्र कोदई साकिन लकड़ा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती पो0 महसो
—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 30—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

नाव डूबने से सरयू में लापता महिला और नाविक का शव मिला

संवाददाता—गोरखपुर। बड़हलगंज इलाके के मदरहा घाट पर सरयू नदी में 30 अप्रैल को नाव डूबने की घटना में डूबे नाविक और एक अन्य महिला का गुरुवार को शव बरामद कर लिया गया है। पिछले तीन दिनों से उनके शव की तलाश चल रही थी। दोनों शवों को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस तरह से इस घटना में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। घटनावाले दिन एक महिला की लाश मिली थी। जबकि स्थानीय लोगों ने दस लोगों को बचाया था। बड़हलगंज थाना क्षेत्र के मदरहां गांव के गोविन्द साहनी के छोटे पुत्र अजय की 28 अप्रैल को आजमगढ़ जिले के जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के अजमतगढ़ कस्बे में बारात गई थी। 29 अप्रैल को दुल्हन विदा होकर आई थी। 30 अप्रैल को अजय के घर पर सत्यनारायण कथा का आयोजन हुआ था,कथा के बाद सरयू नदी के किनारे सेहरा चढ़ाने सभी लोग गये थे। इस पार सेहरा चढ़ा कर डेंगी नाव से नदी के उस पार जा रहे थे। नाविक शिवम साहनी उर्फ मटेल्हू को लेकर कुल 13 लोग नाव में सवार थे। नदी के बीचों—बीच तेज हवा के चलते नाव लहराने लगी। उसमें बैठी महिलाएं घबरा कर इधर—उधर हुई, जिससे नाव में असंतुलित होकर पानी भर गया और नाव डूबने लगी। उसमें सवार लोगों की चीख—पुकार शुरू हो गई। नाविक शिवम ने रेखा पत्नी राम मोहन तथा गुड्डी पत्नी देवी नारायन को बचाकर डूब रही चिन्ता पत्नी हरिनारायण को बचाने गया। किन्तु डूब रही चिन्ता ने शिवम का शरीर पकड़ लिया,जिससे भारी—भरकम चिन्ता को बचाने के चक्कर में दोनों डूब गए। दोनों का पता नहीं चला है। वहीं अजय की भाभी सविता उर्फ गुड़िया भी डूब गई थी। सविता का शव उसी दिन बरामद हो गया था, जबकि चिंता और शिवम के शव की तलाश चल रही थी।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान दशम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती कोर्ट सं0—23
प्रकीर्णवाद सं0 39/2022

गोबर्धन
बनाम
विशम्भर नाथ आदि

1. विशम्भर नाथ (मृतक)
1/1 हरिओम दूबे उम्र 40 साल पुत्र स्व0 विशम्भरनाथ 2. बैजनाथ उम्र 58 साल 3. देवी प्रसाद उम्र 60 साल पुत्रगण स्व0 लल्लन साकिनान मौजा अगौना तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला—बस्ती
—विपक्षीगण प्रथम वर्ग

4. बुद्धिराम उम्र 65 साल 5. सुखराम उम्र 60 साल पुत्रगण स्व0 भगेलू साकिनान मौजा अगौना तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला—बस्ती
—विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 10—07—2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 214/2022
अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

चन्द्रिका
बनाम
हजारी लाल आदि

1. हजारी लाल उम्र 56 वर्ष पुत्र रामलखन 2. राजेश उम्र 35 वर्ष 3. गिरजेश उम्र 33 वर्ष पुत्रगण हजारी लाल साकिनान मौजा मेंहड़ा सैथवार तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 29—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 19/2024
राज कुमार चौरसिया—सायलान

1. राज कुमार चौरसिया आयु 50 वर्ष 2. राकेश चौरसिया आयु 45 वर्ष 3. उमेश चौरसिया आयु 40 वर्ष पुत्रगण हरिनाथ चौरसिया समस्त निवासीगण पिकौरादत्तू राय तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 28—05—2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 28—05—2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 17/2022
अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

राजेन्द्र
बनाम
रामनवल आदि

1. रामनवल उम्र 55 साल 2. जयद्रथ उम्र 48 साल पुत्रगण रामायन साकिनान मौजा नगरखास तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 29—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0— /2023
धारा 11 C.H.Act
अदालत—श्रीमान बन्दोवस्त अधिकारी चकबन्दी बस्ती जिला—बस्ती

सीताराम आदि
बनाम
हरीशचन्द्र शुक्ल आदि

1. हरीशचन्द्र शुक्ल 2. कृष्णचन्द्र शुक्ल पुत्रगण दयाराम निवासीगण ग्राम चैनपुरवा तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती
—विपक्षीगण प्रथम वर्ग

3. परमात्मा पुत्र सत्यदेव साकिन अतरी नानकार पो0 मेहदूपार तप्पा भीर परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर 4. उद्धो प्रसाद 5. श्रीकृष्ण 6. बलराम पुत्रगण आद्या प्रसाद 7. उमाशंकर 8. उमेशचन्द्र पुत्रगण आद्या प्रसाद नावालिगान संरक्षिका श्रीमती कमला देवी माता स्वयं समस्त निवासीगण अतरी नानकार तप्पा भीर परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर
—विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

9. माधव पुत्र आद्या प्रसाद निवासी अतरी नानकार तप्पा भीर परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर
—विपक्षी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 07—05—2024

अपील बनराजी अदालत सी0ओ0 सोनूपार मुकाम बस्ती
मयरिखा 06 महीना 07 सन् 2023 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com